डॉ. वसंत केशव मोरे
एम. ए.; पी-एच. डी.
अध्यक्ष, हिन्दी-विभाग
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर
तथा
अधिष्ठाता, कला संकाय
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर.

प्रमाणपत्र

*मैं यह प्रमाणित करता हूँ कि **प्रा. नंदकुमार रामचंद्र रानभरे** ने शिवाजी विश्वविद्यालय की एम. फिल. (हिन्दी) उपाधि के लिए प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबन्ध -'देवेश ठाकुर के उपन्यासों में चित्रित महानगरीय समस्याएँ'' – एक अनुशीलन - मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ लिखा है । यह उनकी मौलिक रचना है । जो तथ्य इस लघु-शोध-प्रबन्ध में प्रस्तुत किए गए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं । प्रा. नंदकुमार रा. रानभरे के प्रस्तुत शोध कार्य के बारे में मै पूरी तरह संतुष्ट हूँ ।*

कोल्हापुर
दिनांक ३०.११. १९९०

डॉ. वसंत केशव मोरे
शोध-निर्देशक

प्रख्यापन

यह लघु-शोध-प्रबन्ध मेरी मौलिक रचना है, जो एम. फिल. के लघु प्रबन्ध के रूप में प्रस्तुत की जा रही है । यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है ।

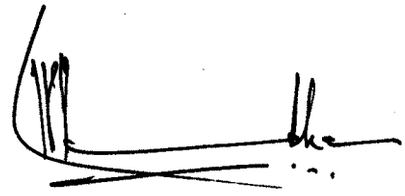

कोल्हापुर

दिनांक ३०.११.१९९०

प्रा. एन. आर. रानभरे